अंतर्राष्ट्रीय एक दिवसीय क्रिकेट का इतिहास, नियम तथा वर्ल्ड कप विजेताओ के नाम

अंतर्राष्ट्रीय एक दिवसीय क्रिकेट:

एकदिवसीय (वनडे) क्रिकेट अथवा सीमित ओवर मुक़ाबला भी कहा जाता है। इसमें प्रत्येक दल 50 ओवर गेंदबाज़ी और 50 ओवर बल्लेबाज़ी करता है। पहले ये 60 ओवर का होता था। यह एक दिन में ही समाप्त हो जाता है। इस प्रारूप में विश्व कप प्रतियोगिता आयोजित की जाती हैं। जिसमें सभी आईसीसी सदस्य देश हिस्सा लेते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय एक दिवसीय क्रिकेट का इतिहास:

अंतर्राष्ट्रीय एक दिवसीय खेल का विकास बीसवीं सदी के अंत में हुआ। पहला एक दिवसीय मैच मेलबोर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 5 जनवरी 1971 को ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेला गया था। जब तीसरे टेस्ट मैच के के पहले तीन दिन बारिश की वजह से धुल गए तो अधिकारियों ने मैच समाप्त करने का फैसला किया और इसके स्थान पर छह गेंद प्रति ओवर के साथ प्रति टीम 40 ओवर का एक दिवसीय मैच खेलने का निर्णय लिया गया। ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 5 विकेट से जीता.

अंतर्राष्ट्रीय एक दिवसीय क्रिकेट के नियम:

मुख्य प्रारूप में क्रिकेट के नियम लागू होते हैं। लेकिन, एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच में प्रत्येक टीम केवल सीमित संख्या के ओवरों के लिए बल्लेबाजी करती है। एकदिवसीय क्रिकेट के शुरुआती दिनों में आम तौर पर प्रति टीम ओवर संख्या 60 थी, लेकिन अब इसे समान रूप से 50 ओवर तक सीमित कर दिया गया है।

वनडे क्रिकेट के नियम इस प्रकार है:

- एक दिवसीय मैच 11 खिलाड़ी प्रति टीम वाली 2 टीमों के मध्य खेला जाता है।
- टॉस जीतने वाला कप्तान बल्लेबाजी या गेंदबाजी (क्षेत्ररक्षण) का विकल्प चुनता है।
- पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम पहली पारी में लक्षित रनसंख्या निर्धारित करती है। बल्लेबाजी पक्ष के "सभी खिलाड़ियों के आउट होने" (अर्थात, जब 11 में से 10 बल्लेबाज

आउट हो जाते हैं) या पहली टीम के आबंटित सभी पचास ओवर पूरे होने तक पारी चलती रहती है।

- प्रत्येक गेंदबाज अधिकतम 10 ओवर तक गेंदबाजी कर सकता है (वर्षा बाधित मैचों में इससे कम और आम तौर पर किसी भी मामले में प्रति पारी के कुल ओवरों का पांचवां भाग या 20%)।
- दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम मैच जीतने के लिए निर्धारित रन संख्या से ज्यादा रन बनाने का प्रयास करती है। इसी तरह, दूसरी पारी में गेंदबाजी करने वाली टीम मैच जीतने के लिए विपक्षी टीम को निर्धारित रनसंख्या से कम पर आउट करने का प्रयास करती है।
- यदि दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम के सभी विकेट गिर जाएं या इसके सभी ओवर समाप्त हो जाएं तथा दोनों टीमों द्वारा बनाए गए रनों की संख्या बराबर हो, तो गेम को टाई (किसी भी टीम द्वारा खोई गयी विकेटों की संख्या पर ध्यान दिए बिना) घोषित किया जाता है।
- ओवरों की संख्या में कमी के स्थिति में, उदाहरण के लिए खराब मौसम के कारण, ओवरों की संख्या कम हो सकती है। यदि किसी कारण से दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली वाली टीम द्वारा खेले जाने वाले ओवरों की संख्या पहली पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम से अलग हो तो डकवर्थ-लुईस विधि द्वारा परिणाम निर्धारित किया जा सकता है।
- दूधिया रोशनी इस तरह से लगाई जाती हैं कि यह क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को बाधा न पहुंचाए तथा गेंद के भीगने की स्थिति में कप्तानों को मैदान पर कपड़ा रखने की अनुमति दी गई है।

अंतर्राष्ट्रीय एक दिवसीय पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप बारे में संक्षिप्त विवरण:

आयोजन वर्ष	विजेता	उपविजेता	आयोजन स्थल	कुल टीम	जीत का अन्तर
1975	वेस्ट इंडीज	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैण्ड	8	17 रन
1979	वेस्ट इंडीज	इंग्लैण्ड	इंग्लैण्ड	8	92 रन
1983	भारत	वेस्ट इंडीज	इंग्लैण्ड	12	43 रन
1987	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैण्ड	भारत/पाकिस्तान	8	7 रन
1992	पाकिस्तान	इंग्लैण्ड	ऑस्ट्रेलिया/न्यूजीलैंड	9	22 रन
1996	श्रीलंका	ऑस्ट्रेलिया	भारत/पाकिस्तान/श्रीलंका	12	7 विकेट
1999	ऑस्ट्रेलिया	पाकिस्तान	इंग्लैण्ड	12	8 विकेट
2003	ऑस्ट्रेलिया	भारत	दक्षिण अफ़्रीका	14	125 रन

2007	ऑस्ट्रेलिया	श्रीलंका	वेस्ट इंडीज	16	53 रन
2011	भारत	श्रीलंका	भारत/श्रीलंका/बांग्लादेश	16	6 विकेट
2015	ऑस्ट्रेलिया	न्यूजीलैंड	ऑस्ट्रेलिया/न्यूजीलैंड	14	7 विकेट

अंतर्राष्ट्रीय एक दिवसीय महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप बारे में संक्षिप्त विवरण:

आयोजन वर्ष	विजेता	उपविजेता	आयोजन स्थल	जीत का अन्तर
1973	इंग्लैण्ड	इंग्लैण्ड	ऑस्ट्रेलिया	92 रन
1978	पाकिस्तान	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैण्ड	8 विकेट
1982	न्यूजीलैंड	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैण्ड	3 विकेट
1988	ऑस्ट्रेलिया	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैण्ड	8 विकेट
1993	इंग्लैण्ड	इंग्लैण्ड	न्यूजीलैंड	67 रन
1997	भारत	ऑस्ट्रेलिया	न्यूजीलैंड	5 विकेट
2000	न्यूजीलैंड	न्यूजीलैंड	ऑस्ट्रेलिया	4 रन
2005	दक्षिण अफ़्रीका	ऑस्ट्रेलिया	भारत	98 रन
2009	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैण्ड	न्यूजीलैंड	4 विकेट
2013	भारत	ऑस्ट्रेलिया	वेस्टइंडीज	114 रन

अंतर्राष्ट्रीय एक दिवसीय क्रिकेट में स्थापित हुए कुछ महत्वपूर्ण रिकॉर्डस:

- एक दिवसीय मैचों में सर्वाधिक शतक व अर्धशतक बनाने का रिकॉर्ड भारत के सचिन तेंदुलकर के नाम है। उन्होनें एक दिवसीय मैचों में सर्वाधिक रन भी बनाए हैं तथा एक दिवसीय मैच में दोहरा शतक बनाने वाले प्रथम पुरुष खिलाड़ी हैं, यह उपलब्धि उन्होनें 24 फ़रवरी 2010 में हासिल की।
- सीमित ओवर के मैच में एक पारी में सर्वाधिक रनसंख्या का रिकॉर्ड नौ विकेट पर 443 रन है, जो 4 जुलाई 2006 को एमस्टलवीन में 50 ओवरों के अंतर्राष्ट्रीय एक दिवसीय मैच में श्रीलंका ने नीदरलैंड के विरुद्ध बनाया। 35 रनों के साथ सबसे कम रनसंख्या का रिकॉर्ड ज़िम्बाब्वे के नाम है जो 2004 में हरारे में श्रीलंका के विरुद्ध बना।
- किसी सीमित ओवर के मैच में दोनों टीमों द्वारा बनाई गई सर्वाधिक रनसंख्या 872 है: 2006 में जोहांसबर्ग में अपने एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवरों में चार विकेट पर 434 रन बनाए, लेकिन इसके बावजूद

वे दक्षिण अफ्रीका से मात खा गए, जिसने एक गेंद शेष रहते नौ विकेटों के नुकसान पर 438 रन बना लिए।

- 19 रन पर 8 विकेटों के साथ सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड श्रीलंका के चमिंडा वास के नाम है जो 2001-02 को कोलंबो में जिम्बाब्वे के विरुद्ध बना-एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैचों में आठ विकेट लेने वाले वह एकमात्र खिलाड़ी हैं।
- एबी डी विलियर्स ने 18 जनवरी 2015 को एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज़ शतक लगाया। डी विलियर्सने न्यूजीलैंड के कोरी एण्डरसन के कीर्तिमान को ध्वस्त किया हैं । एबी डी विलियर्स ने वेस्टइंडीज़ के खिलाफ़ 31 गेंद में अपना शतक पूरा किया एवं आउट होने से पूर्व उसने 44 गेंद में 149 रन का विश्व कीर्तिमान बनाया।